

6026

8

- (iv) शंकरदेव अवतरे
(v) जगन्नाथ पाठक
(vi) श्रीधर भास्कर वर्णेकर

(1100)

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6026

J

Unique Paper Code : 2132102401

Name of the Paper : MODERN SANSKRIT
LITERATURE

Name of the Course : **BACHELOR OF ARTS
(HONOURS COURSE)
SANSKRIT, NEP UGCF
2022**

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की सानुवाद व्याख्या कीजिए :

(15)

Explain with translation of any **two** of the following verses :

- (i) आनन्दमाध्वीकसमुद्र एष त्वय्येव नित्यं हि जरीजृभीति ।

कस्तूरिकां नाभिगतां परत्रान्विष्यन् मृगस्त्वं न च बोभवीषि ॥

अथवा / OR

वैदेशिकानां क्षपणाय भूमीभृतां सितानां पिशिताशनानाम् ।

या निर्मिता विश्वसृजा प्रयत्नात् सौदामनीव द्युतलात् पतन्ती ॥

- (ii) अज्ञान-गाढान्ध-तमो निरस्य ज्ञान-प्रकाशेन समुज्ज्वलद्भिः ।

लभ्यानि चान्यैः सह दुर्लभानि प्रशासकीयानि पदानि सम्यक् ॥

- (iii) लहरीसङ्घट्टननादोऽयं तीव्रो जनयति भीतिम् ।

नालं प्रसृतामभिभवितुं त्वत्कण्ठनिर्गतां गीतिम् ।

- (iv) वेदनायाः समीपे

शब्दाः न सन्ति

अतः

मौनमये रिक्तधनादेश पत्रे वेदना हस्ताक्षरं करोति ।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(20)

Write short notes on any **four** of the following :

- (i) पण्डिता क्षमाराव

- (ii) परमानन्द शास्त्री

- (iii) रामकरण शर्मा

अथवा / OR

‘धीवरगीतिः’ काव्य की समीक्षा कीजिए।

Give a review of ‘Dhivargitih’.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : (10)

Translate any two of the following :

- (i) एकरूपे यदा हन्त सत्यानुते

अन्धकारेऽखिलं वस्तुजातं यथा ।

धर्मसिंहासने सत्यरक्षाव्रती

न्यायेकर्मण्यरे को नु हंसायते ॥

- (ii) यूयं दीपं प्रज्वलायत,

तिमिरं स्वयं गमिष्यति रे ।

अमृतचिन्तनं निमिषं कुरुत,

गरलं स्वयं गलिष्यति रे ॥

अथवा / OR

स्वत्वं स्वकीयं खलु विस्मृतं नो मृत-पिण्डवत् सर्वत आहताः स्मः ।

आ-जन्म नित्यं ननु दास-भूता धृताः शरीरेण मृता वसामः ॥

2. स्वातन्त्र्यसम्भवम् के अनुसार विद्या-नगरी के रूप काशी के माहात्म्य का वर्णन कीजिए। (10)

Describe the importance of Kashi Nagari as an educational-place according to Swatantryasambhavam.

अथवा / OR

“भीमायनम्” महाकाव्य में वर्णित कथा सन्देश को अपने शब्दों में लिखें।

Write the narrative message of the Bhimayana epic in your own words.

3. ‘शतपर्विका’ कथा का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। (10)

Write summary briefly the story of Shatparvika in your own words.

अथवा / OR

आधुनिक संस्कृत नाटक के रूप में शार्दूलशकटम् की समीक्षा कीजिए।

Analyse Shardulshaktam as a Modern Sanskrit drama.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सानुवाद व्याख्या कीजिए: (15)

Explain with translation of any two of the following :

(i) निभृतनिभृतं रमा पुनः पितृशय्यासमीपं गतवती । दृष्टं तया यज्जलमल्लकं रिक्तमिदानीम् । हर्षोत्फुल्ललोचनाऽसौ स्वयमेव तर्कते - तत्किं पितृचरणेन मयानीतं जलं पीतम्? सत्यमेव पीतम् । इदानीं परितोषनिर्भरः ससुखं स्वपिति । भवतु चरणसंवाहनं करोमि ।

अथवा / OR

त्वया भृशमुपरुद्ध आसम् । त्वया मन्त्रितमासीत् यत् पुत्रीपुत्रयोर्न कोऽपि विशेषः । भाग्यायत्तमेव मनोवाञ्छितसन्ततिजन्म । अत्र पुरुषाधिकारो न प्रभवति । परन्तु मया मूढेन त्वामपि तिरस्कुर्वता मन्दबुद्धिरयमानीतः पुत्रवन्तमात्मानं विधातुम् ।

(ii) न सा परा विद्या यया न दीयते ज्ञानं

न तद्भवेज्ज्ञानं न येन दीप्यते चित्तम् ।

न चित्तभा रम्या यदा तु वर्तिका क्षीणा

क्व वर्तते स्नेहं विना नु शक्तियुक्ता सा ॥

अथवा / OR

अमृतवचनं नित्यं हि स्याज्जनान्तररञ्जनं,

रणमदकलं तस्मिन् मन्ये स्वभावनिराकृतम् ।

ज्वलति तपनो दीपज्योतिः सदैव निरंजनं,

न शशिकलया रुद्रं रूपं निदाघ अपि श्रितम् ॥

5. संकल्पगीतिः में वर्णित राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए । (10)

Throw light on National consciousness as depicted in Sankalpagiti.